इसके प्रभावों का अनुमान लगाना ऐसी स्थिति में असामयिक होगा ।

(ग) और (घ) परियोजना के लिए जुलाई, 1989 में दी गई निवेश संबंधी स्वीकृति के अनुसार, अक्टूबर, 1988 की विनिमय दर पर प्रति मेगावट उत्पादन लागत 3.24 करोड रु० आंकी गई है । लागत में वृद्धि मुख्यत विनिमय दर में भिन्नता के कारण हुई है । परियोजना की संशोधित लागत अभी तक सुनिश्चित नहीं की गई है । संसाधनों संबंधी बाधाओं के कारण परियोजना को बाहरी सहायता से क्रियान्वित किया जा रहा है । वर्तमान ठेके के अंतर्गत परियोजना को पूरा किए जाने से एन. एच. पी सी अपने निवेश पर जल्दी ही लाभ प्राप्त करने में सक्षम होगा ।

(ड.) उपरोक्त को देखते हुए प्रश्न नहीं उठता ।

तेन्दूघाट परियोजना की निर्माण लागत में वृद्धि

4328. **डा० जितेन्द्र कुमार जैन :**
श्री राम जेठ मलानी

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 14 अक्टूबर, 1992 के "दि आबजर्वर" में 'पावर प्रोजेक्ट कास्ट एस्कलेटड 349 परसंट" शीर्षक के अंतर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि तेन्दूघाट ताप विद्युत परियोजना की लागत 349 प्रतिशत बढ गई है ;

(ग) यदि नहीं, तो इस संबंध में तथ्य क्या हैं ;

(घ) क्या सरकार ने इसके कारणों का पता लगाया है ; और

(ङ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और यह परियोजना कब तक पूरी होने की संभावना है ?

विद्युत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय) (क) जी, हां ।

(ख) और (ग) परियोजना को योजना आयोग द्वारा 175.13 करोड रु० की अनुमानित लागत पर मार्च, 1979 में स्वीकृत किया गया था । तेन्दुघाट विद्युत निगम लिमिटेड जोकि परियोजना को राज्य क्षेत्र में कार्यान्वित किए जाने हेतु परियोजना प्राधिकारी हैं, द्वारा सूचित किया गया है कि वर्तमान स्थिति के अनुसार, परियोजना पर 835 करोड रु. की लागत आने का अनुमान है ।

(घ) और (ड.) माल-सामग्री, उपस्कर तथा श्रम संबंधी लागत में वृद्धि और कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के कारण परियोजना की लागत में वृद्धि हुई है । 210 मे.वा के प्रथम यूनिट को जून, 1993 में तथा द्वितीय यूनिट को दिसम्बर, 1993 में चालू किए जाने की परिकल्पना की गई है ।

आठवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान कुशलता बढ़ाकर विद्युत के बारे में बचत-लक्ष्य

4329. **डा. जितेन्द्र कुमार जैन :**
श्री राम जेठ मलानी :

क्या **विद्युत** मंत्री वह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार द्वारा आठवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान ऊर्जा के क्षेत्र में और अधिक कुशलता पैदा कर ऊर्जा बचत का लक्ष्य निर्धारित किया गया है ;

(ख) यदि हां, तो इस लक्ष्य के अंतर्गत कितनी विद्युत की बचत होने की संभावना है ;

(ग) सरकार इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए क्या कदम उठाने का विचार रखती है ; और

(घ) इन कदमों के परिणामस्वरूप आठवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के अंत